लग रही प्यास राम रस पिया देसी भजन लिरिक्स

लग रही प्यास राम रस पिया,
वे भगवान भले भजिया,
जागा भाग नाम ज्योरा जोनिया,
वे हँसला निर्वाण हुआ,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

गोपीचन्द भरतरी भजिया,
तजिया राज निर्वाण हुआ,
अमर छाप ज्योरे सतगुरू दिनी,
चार जुगा में अमर हुआ,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

पापी पिता उपजिया पारश,
पुत्र हुआ प्रहलाद जैसा,
वेर राखियो सारा शहर में,
संत हुआ जद कमल हंसया,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

मान गुमान मेट कर मीरा,
हरी कारण परिवार तजिया,
रोणे जहर रा प्याला भेजिया,
निजभज राखी राम लजिया,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

संतो री संग में रमिया रूपादे,
सत मार्ग सिणगार सजया,
हाथ खड्ग रावल माल कोपिया,
थाली मे वाग अखंड लग्या,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

निर्मल भक्ति कबीरसा कमाई,
निर्गुण तीर शरीर लगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आया संतो ने तनमन देना,
वो ही दिवला अखण्ड जगा,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

झरणा झालो ममता ने मारो,
मायला में राखो धिरप धजा,
खीमजी रे शरणे भणे माली लिखमो,
अनुभव हुआ जद आया मजा,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

लग रही प्यास राम रस पिया,
वे भगवान भले भजिया,
जागा भाग नाम ज्योरा जोनिया,
वे हँसला निर्वाण हुआ,
लग रहीं प्यास राम रस पिया ऐ हा।bd।

प्रेषक – पुखराज पटेल
9784417723

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com